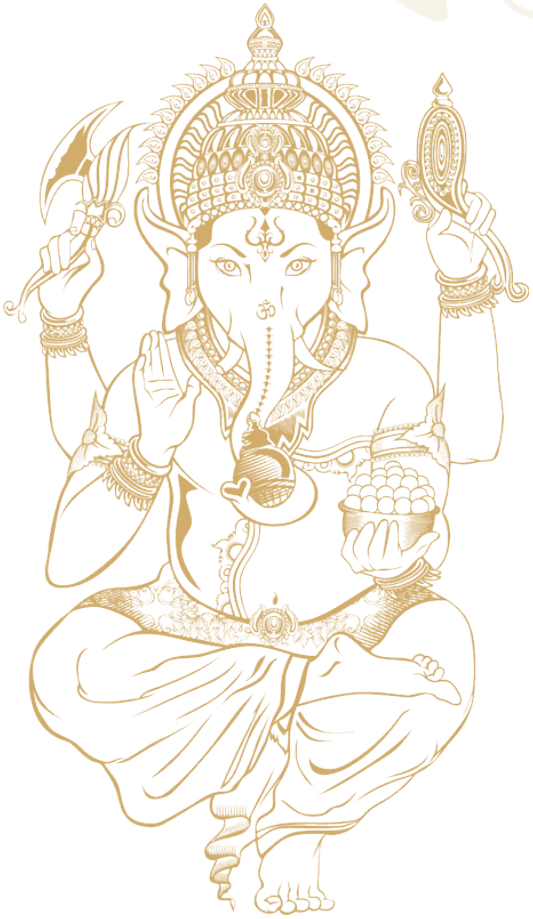

Mr.sanjay kumar singh

21 Aug 1988

12:00 AM

Darbhanga

Model: web-freekundliweb

Order No: 121172005

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20-21/08/1988**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**00:00:00 घंटे**
इष्ट	46:37:04 घटी
स्थान	**Darbhanga**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:10:00 उत्तर
रेखांश	85:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:13:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:13:36 घंटे
वेलान्तर	-00:03:21 घंटे
साम्पातिक काल	22:10:49 घंटे
सूर्योदय	05:21:10 घंटे
सूर्यास्त	18:17:50 घंटे
दिनमान	12:56:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:14:14 सिंह
लग्न के अंश	22:04:44 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ऐन्द्र
करण	बव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	22:04:44	355:11:47	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	04:14:14	00:57:46	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृश्चि	05:32:39	12:51:24	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	नीच राशि
मंगल			मीन	17:31:37	00:04:51	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध			सिंह	20:33:37	01:40:37	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			वृष	10:30:01	00:06:23	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	18:29:26	00:56:46	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
शनि	व		धनु	02:18:14	00:00:56	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	20:29:21	00:00:30	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	20:29:21	00:00:30	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	03:26:47	00:00:46	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
नेप	व		धनु	13:56:30	00:00:53	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	16:20:33	00:01:04	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	06:56:46	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:59

लग्न-चलित

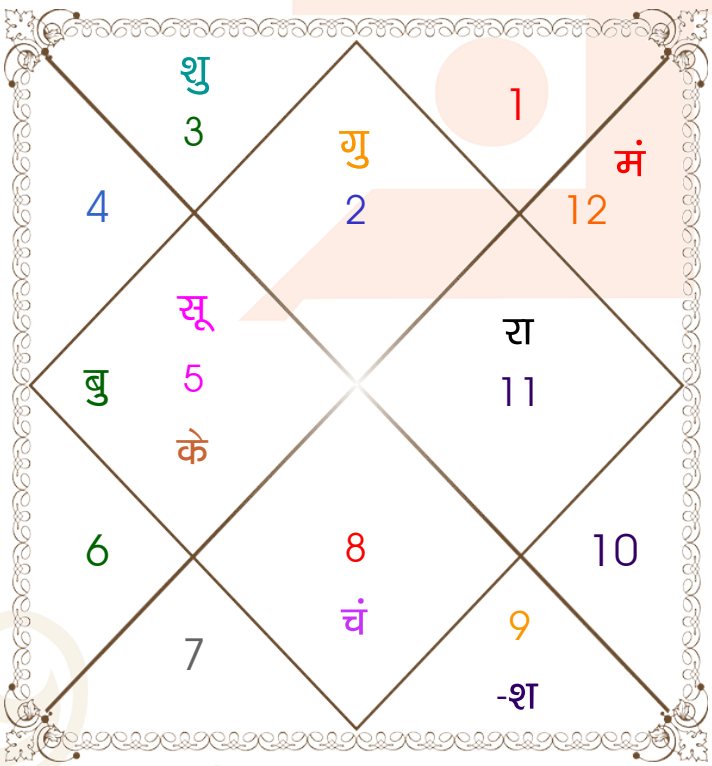

चन्द्र कुंडली

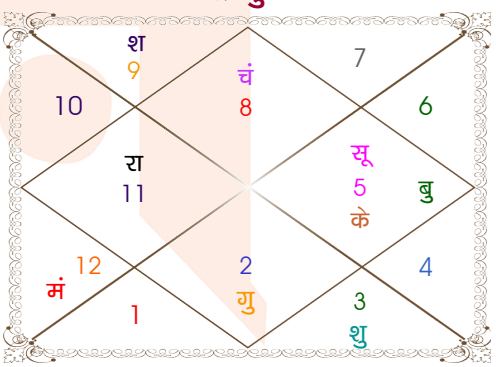

नवमांश कुंडली

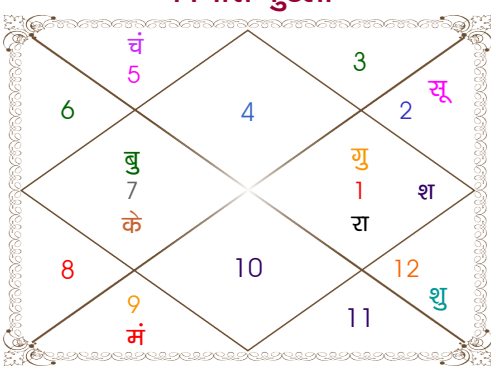

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 10 मास 5 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/08/1988		27/06/2004		27/06/2021		27/06/2028		27/06/2048	
27/06/2004		27/06/2021		27/06/2028		27/06/2048		27/06/2054	
	21/08/1988	बुध	23/11/2006	केतु	23/11/2021	शुक्र	27/10/2031	सूर्य	14/10/2048
बुध	10/03/1991	केतु	20/11/2007	शुक्र	23/01/2023	सूर्य	26/10/2032	चंद्र	15/04/2049
केतु	18/04/1992	शुक्र	20/09/2010	सूर्य	31/05/2023	चंद्र	27/06/2034	मंगल	21/08/2049
शुक्र	18/06/1995	सूर्य	28/07/2011	चंद्र	30/12/2023	मंगल	27/08/2035	राहु	15/07/2050
सूर्य	30/05/1996	चंद्र	26/12/2012	मंगल	27/05/2024	राहु	27/08/2038	गुरु	03/05/2051
चंद्र	29/12/1997	मंगल	23/12/2013	राहु	15/06/2025	गुरु	27/04/2041	शनि	14/04/2052
मंगल	07/02/1999	राहु	12/07/2016	गुरु	22/05/2026	शनि	27/06/2044	बुध	19/02/2053
राहु	14/12/2001	गुरु	18/10/2018	शनि	30/06/2027	बुध	27/04/2047	केतु	27/06/2053
गुरु	27/06/2004	शनि	27/06/2021	बुध	27/06/2028	केतु	27/06/2048	शुक्र	27/06/2054

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
27/06/2054		27/06/2064		27/06/2071		27/06/2089		28/06/2105	
27/06/2064		27/06/2071		27/06/2089		28/06/2105		00/00/0000	
चंद्र	27/04/2055	मंगल	23/11/2064	राहु	09/03/2074	गुरु	15/08/2091	शनि	01/07/2108
मंगल	26/11/2055	राहु	11/12/2065	गुरु	02/08/2076	शनि	25/02/2094	बुध	22/08/2108
राहु	27/05/2057	गुरु	17/11/2066	शनि	09/06/2079	बुध	02/06/2096		00/00/0000
गुरु	26/09/2058	शनि	27/12/2067	बुध	26/12/2081	केतु	09/05/2097		00/00/0000
शनि	27/04/2060	बुध	23/12/2068	केतु	14/01/2083	शुक्र	08/01/2100		00/00/0000
बुध	26/09/2061	केतु	21/05/2069	शुक्र	14/01/2086	सूर्य	27/10/2100		00/00/0000
केतु	27/04/2062	शुक्र	21/07/2070	सूर्य	08/12/2086	चंद्र	26/02/2102		00/00/0000
शुक्र	27/12/2063	सूर्य	26/11/2070	चंद्र	08/06/2088	मंगल	02/02/2103		00/00/0000
सूर्य	27/06/2064	चंद्र	27/06/2071	मंगल	27/06/2089	राहु	28/06/2105		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 9 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।